भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 2496**

13 फरवरी, 2026 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

**उत्तर प्रदेश में कार्यशील आयुष स्वास्थ्य केंद्र**

2496. श्रीमती कृष्णा देवी शिवशंकर पटेल:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) उत्तर प्रदेश में विशेषकर बांदा और चित्रकूट जिलों में स्वीकृत और कार्यशील आयुष स्वास्थ्य केंद्रों की कुल संख्या कितनी है;

(ख) इन जिलों के नरैनी और माई ब्लॉकों में प्रस्तावित नई आयुष इकाइयों की स्वीकृति की स्थिति और प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या चित्रकूट धाम में औषधीय उद्यान (हर्बल गार्डन) के विकास के लिए बजट जारी कर दिया गया है;

(घ) यदि हां, तो उस पर किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इसके कार्यान्वयन में देरी के क्या कारण हैं और इस संबंध में उपचारात्मक योजना क्या है?

**उत्तर**

**आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्री प्रतापराव जाधव)**

(क) और (ख): राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, आयुष मंत्रालय ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में 1034 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) [एएएम (आयुष)] पूर्ववर्ती आयुष स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र को अनुमोदित किया है, जिसमें बांदा जिले में 12 एएएम (आयुष) और चित्रकूट जिले में 05 एएएम (आयुष) शामिल हैं। उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, सभी एएएम (आयुष) कार्यशील हैं।

इसके अलावा, जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, बांदा और चित्रकूट जिलों के नरैनी और माई प्रखंडों में नई आयुष इकाइयों की स्थापना की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार की है। हालाँकि, एनएएम के तहत, आयुष औषधालय की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान है और तदनुसार, राज्य सरकार एनएएम दिशानिर्देशों के प्रावधान के अनुसार, राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करके सहायता प्राप्त कर सकती है।

(ग) से (ङ): आयुष मंत्रालय के अंतर्गत, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड "औषधीय पादपों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन पर केंद्रीय क्षेत्र योजना" का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसमें विभिन्न प्रकार के औषधीय उद्यान नामतः विद्यालय औषधीय उद्यान, संस्थागत/सार्वजनिक औषधीय उद्यान/आयुष वन और राज्य एवं राष्ट्रीय महत्व के औषधीय उद्यान विकसित करने के लिए परियोजना आधारित सहायता

प्रदान करने का प्रावधान है। चित्रकूट में औषधीय उद्यान के लिए जारी और उपयोग की गई धनराशि का विवरण **संलग्नक** में दिया गया है।

इसके अलावा, उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, चित्रकूट धाम में 05 एएएम (आयुष) में 20,000 रुपये प्रति हर्बल गार्डन की दर से औषधीय उद्यान पहले ही विकसित किए जा चुके हैं।

*****

**संलग्नक**

**चित्रकूट में औषधीय उद्यान के लिए जारी और उपयोग की गई धनराशि का विवरण**

**(लाख रुपये में)**

| **परियोजना का नाम** | **प्रमुख परीक्षक (पीआई) का नाम, संस्थान का पता** | **जारी की गई धनराशि** | **उपयोग की गई धनराशि** |
|---|---|---|---|
| विंध्य क्षेत्र के आरोग्यधाम में औषधीय पादपों के बाह्य स्थाने संरक्षण के माध्यम से औषधीय उद्यान की स्थापना | डॉ. मनोज कुमार त्रिपाठी, वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी और प्रमुख (अनुसंधान) आरोग्यधाम, दीनदयाल अनुसंधान संस्थान, चित्रकूट, सतना, मध्य प्रदेश | 6.00 | 6.00 |